सम्भल में मुहर्रम पर निकलने वाले ताजियों के मार्ग का निरीक्षण करते एडीजी राजकुमार व अन्य अधिकारी ● जागरण

एडीजी ने मुहर्रम जुलूस के मार्ग को देखा

जासं, सम्भल : अन्य त्योहारों की तरह मुहर्रम भी शांति पूर्ण तरीके से निपटे इसके लिए पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। शुक्रवार को एडीजी बरेली जोन ने सम्भल पहुंचकर थानाध्यक्षों के साथ बैठक की और उसके बाद मुहर्रम जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। सम्भल के पीडब्लूडी गेस्ट हाउस में आयोजित सम्भल सर्किल के थानेदारों की बैठक में एडीजी राजकुमार ने कहा कि प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे चालू रखे जाए। इसके बाद वह अस्पताल चौराहे पर पहुंचे और यहां से पैदल मार्च शुरू किया जो एजेंटी तिराहा, छंगामल की कोठी, नखासा तिराहा तक किया। इस दौरान लोगों से संवाद भी किया।

मोहर्रम के 3778 ताजिये निकलेंगे, 416 स्थान संवेदनशील

जोन में

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। जोन में मोहर्रम के 3778 ताजिये में से 416 अतिसंवदनशील स्थानों से निकलने वाले ताजियों को लेकर अलर्ट किया गया है। एडीजी के निर्देश पर वहां पुलिस का कड़ा पहरा रहेगा। वीडियो कैमरा सीसीटीवी से निगरानी की जायेगी। जोनभर में सुरक्षा की दृष्टि से मोहर्रम के सभी रूट और स्थानों को 216 सेक्टर में बांटा गया है। सबसे ज्यादा 596 ताजियों के जुलूस बरेली में निकलेंगे। सबसे कम अमरोहा में 51 हैं।

बरेली जोन के नौ जिलों में सबसे ज्यादा अति संवेदनशील 117 स्थान मुरादाबाद में चिन्हित किए गए हैं। इसके बाद बरेली में 60, बदायूं में 10, पीलीभीत और शाहजहांपुर में नौ-नौ स्थानों को अतिसंवेदनशील घोषित किया गया है। बिजनौर में 11, रामपुर में 50, अमरोहा में 51, संभल में 99 स्थानों पर ताजिया निकाले जाएंगे। वहां पिछले दिनों विवाद होते रहे हैं। इससे सभी अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। सुरक्षा को लेकर 314 क्यूआरटी टीमें हैं। जोन में 788 कर्बला पर ताजियों दफन किए जाएंगे।

274 सेक्टर में बांटा

सुरक्षा की दृष्टि से मोहर्रम के जुलूस 274 सेक्टर में बांटे गए हैं। बरेली 59, बदायूं को 20, पीलीभीत 14 शाहजहांपुर में 23, मुरादाबाद में 29, बिजनौर में 21, रामपुर में 72, अमरोहा में 12, संभल को 15 सुरक्षित सेक्टरों में बांटा गया है।

जुलूस रूट नहीं बदलेगा

एडीजी जोन राजकुमार ने सभी कप्तानों को निर्देश दिए कि परंपरागत तरीके से जुलूस निकाले जाएंगे। रूट नहीं बदलेगा। खुराफात करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि ताजियों के जुलूस की वीडियोग्राफी भी कराई जाए।

> ताजियों के जुलूस के दौरान सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रहेगी। अभद्र टिप्पणी करने और खुराफात करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।
>
> – राजकुमार, एडीजी जोन

खानकाहे से शुक्रवार को मोहर्रम का जुलूस निकाला गया।

जुलूस में निकलेंगे 650 ताजिया, छड़े

बरेली, कार्यालय संवाददाता। कर्बला के 72 जानिसारों की याद में मोहर्रम यानि यौम-ए-आशूरा का जुलूस नौ अगस्त को निकाला जाएगा। सुन्नी मुसलमान देहात से लेकर शहर के विभिन्न स्थानों से अपनी तय रास्तों से बाकरगंज कर्बला में ताजिये, छड़ लेकर पहुंचेंगे। शिया मुसलमान मातम जुलूस के साथ स्वाले नगर कर्बला पहुंचे।

दोनों स्थानों पर ताजिये सुपुर्दे खाक किए जाएंगे। जहां से ताजिये, छड़ निकलेंगे वहां बिजली के तार, पेड़ों की टहनियां मुसीबत बने है।

मुहर्रम के महीने में ताजिया (तख्त) का जुलूस निकलते है, जिसकी ऊंचाई करीब 15 फीट से ज्यादा होती है। संकरी गलियों से होकर ताजिया को निकालना, सैंकड़ों की तादाद में ताजियादारों का साथ चलना और तंग गलियों से होते हुए मुख्य मार्गो से सीधे कर्बला तक जाना परेशानी का सबब बन चुका है। तख्त के ये जुलूस शहर के कई रास्तों से होकर गुजरते हैं। आजम नगर में तख्त बनाने वाले इरफान कुरैशी का कहना है कि यहां से कई सालों से तख्त का जुलूस निकलता है। यहां के लोगों की कई समस्याएं हैं। मसलन, बिजली के खंभों पर तारों लटकना, पेड़ों की टहनियों का झुका होना है। ईदगाह मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष खलील अहमद ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी ताजिये के जुलूस अपने पुराने रास्तों से होते हुए बाकरगंज कर्बला पहुंचेंगे। इसमें 300 तख्त, 350 छड़े के जुलूस होंगे।